BY SPEED POST/MAIL
भाकृअनुप–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान
नबीबाग, बैरसिया रोड, भोपाल – 462038 (म.प्र.)
ICAR-Indian Institute of Soil Science
Nabibagh, Berasia Road, Bhopal–462038 (M.P.)
Tel. No. (0755) 2747375 EPABX: 2730970/2734221 (Ext. No. 242 & 101)
Web: www.iiss.res.in

Application No. 349-4/IISS/RTI/2026

Dated 11/05/2026

To,

Shri Sikhar Chandra Bhargav
Gram Hatlai Post Chata
District Datia Madhya Pradesh – 475686

Sub.: Reply to information under RTI Act 2005- reg.

Dear Madam,

Please find enclosed herewith the information (six pages) in reference to your RTI application No. 349-04/IISS/RTI/2026 dated 22/04/2026 (registration no. IIOSS/R/T/26/00001 dated 22/04/2026) transferred by ICAR Hqrs (Reference Number ICARH/R/E/26/00160 dated 22/04/2026) recieved online.

Kindly acknowledge the receipt of this reply letter along with enclosures.

Further it is informed that the Appellate Authority is Director, ICAR-IISS, Bhopal and his telephone no. is 0755-2730946.

Yours sincerely,

Encl: Information containing six pages

(R. Elanchezhian)
PS & Nodal Officer RTI cum-CPIO (Scientific)

###**1. ऑर्गेनिक खेती से संबंधित अनुसंधान (Research Projects):**

(a) वर्ष 2020 से वर्तमान (2026 तक) के दौरान ऑर्गेनिक खेती/प्राकृतिक खेती/बायोफर्टिलाइजर से संबंधित सभी स्वीकृत, प्रचलित एवं पूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं की सूची उपलब्ध कराई जाए।
(b) प्रत्येक परियोजना हेतु निम्न विवरण उपलब्ध कराया जाए:
*परियोजना का नाम
*संबंधित संस्थान (जैसे Indian Council of Agricultural Research एवं अन्य)
*परियोजना की अवधि
*स्वीकृत बजट
*परियोजना का उद्देश्य
©उपरोक्त परियोजनाओं की **प्रगति रिपोर्ट (Progress Report), अंतिम रिपोर्ट (Final Report), एवं संस्तुतियां (Recommendations)**की प्रमाणिक प्रतियां उपलब्ज्ञ कराई जाएं।
(d) ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने हेतु जारी किसी भी आंतरिक नोटशीट/समीक्षा बैठक के कार्यवृत्त (Meeting Minutes) की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं।

उत्तरः– 1. जैविक खेती से संबंधित अनुसंधान (अनुसंधान परियोजनाएँ)
जैविक और प्राकृतिक खेती से संबंधित दो परियोजनाएँ चल रही हैं।
परियोजना 1. प्राकृतिक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम अंतर्गत भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल नेटवर्क केंद्र (AINPNF-ICAR-IIFSR मोदीपुरम) : ICAR
अवधि: दीर्घकालिन (जारी)
बजट: लगभग 8.0 लाख/प्रति वर्ष
प्रयोग 1. जैविक, रासायनिक और समेकित उत्पादन प्रणालियों का मूल्यांकन
उद्देश्य:
1. फसल उत्पादकता और मृदा स्वास्थ्य पर जैविक, रासायनिक और समेकित पोषक तत्व प्रबंधन पद्धतियों के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. मृदा की सूक्ष्मजैव विविधता और आर्थिक पहलुओं पर विभिन्न प्रबंधन पद्धतियों के प्रभाव का अध्ययन करना।
प्रयोग 2. विभिन्न कृषि–पारिस्थितिक क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती की पद्धतियों का मूल्यांकन और सत्यापन
अवधि: 2020 से जारी
उद्देश्य:
1. विभिन्न क्षेत्रों में किसानों द्वारा अपनाई गई प्राकृतिक खेती की पद्धतियों का दस्तावेजीकरण करना।
2. विभिन्न कृषि–पारिस्थितिक स्थितियों में फसल उत्पादकता, मृदा स्वास्थ्य और आर्थिक पहलुओं पर प्राकृतिक खेती की पद्धतियों के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. प्राकृतिक खेती के आदानों (inputs) का मूल्यांकन करना और उन्हें जैविक खेती में एकीकृत करना।
परियोजना 2. प्राकृतिक खेती, जैविक खेती एवं पारंपरिक कृषि के अंतर्गत सूक्ष्मजीव विविधता और मृदा पोषक तत्व रूपांतरण में स्थानिक–कालिक भिन्नता (DST-ANRF द्वारा वित्तपोषित)
अवधि: अक्टूबर 2024 से सितंबर 2027
बजट: 30.49 लाख
उद्देश्य:
1. जैविक और प्राकृतिक खेती में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न आदानों के रासायनिक और सूक्ष्मजीव–संबंधी गुणों का लक्षण–वर्णन करना।
2. विभिन्न खेती पद्धतियों के अंतर्गत मृदा के विभिन्न कार्बन पूलों और मृदा गुणों का निर्धारण करना।
3. विभिन्न स्थानों पर प्रयोग की अवधि से प्रभावित पारंपरिकए प्राकृतिक और जैविक खेती के अंतर्गत सूक्ष्मजीवों की संरचनात्मक और कार्यात्मक विविधता का अध्ययन करना।
4. विभिन्न खेती पद्धतियों के अंतर्गत मृदा की सूक्ष्मजीव प्रक्रियाओं और पोषक तत्व रूपांतरण का आकलन करना।
प्रगति रिपोर्ट:
1. रिपोर्ट AINPNF मोदीपुरम की वेबसाइट (https://www.iifsr.org.in/AI-NPNF.php) पर देखी जा सकती है।

2. मध्य प्रदेश के लिए विकसित जैविक खेती हेतु सिफारिशें और PoP (प्रैक्टिस का पैकेज) कृषि मंत्रालय की वेबसाइट पर Division-INM-Organic PoP अनुभाग में उपलब्ध हैं (https://agriwelfare.gov.in/en/IntegratedDiv)।
(d) जैविक खेती और कम्पोस्ट बनाने पर जन जागरूकता अभियान की रिपोर्ट. . . इसके साथ संलग्न है।

###**2. रासायनिक उर्वरकों (Urea एवं DAP) के विकल्प (Alternative):**

(a) यूरिया (Urea) एवं DAP (Di-Ammonium Phasphate) के विकल्प के रूप में सुझाए गए ऑर्गेनिक/बायो/नेचुरल उर्वरकों पर किए गए अनुसंधानों/अध्ययनों की सूची उपलब्ध कराई जाए।
(b) प्रत्येक विकल्प के संबंध में उपलब्ध वैज्ञानिक रिपोर्ट, परीक्षण परिणाम (Field Trials), एवं प्रभावशीलता (Effectiveness) से संबंधित दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं।
© किसानों के लिए जारी अधिकारिक सिफारिशें/एडवाइजरी/गाइडलाइन (यदि कोई हो) की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं।
(d) यदि किसी वैकल्पिक उर्वरक को सरकार द्वारा अनुमोदित/प्रमाणिक किया गया हो, तो उससे संबंधित आदेश/नोटिफिकेशन की प्रति उपलब्ध कराई जाए।

उत्तरः– सामान्य यूरिया और डी ए पी के विकल्प के तौर पर नैनो-यूरिया एवं उसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थानों में फील्ड ट्रायल चल रहे हैं। फील्ड ट्रायल पूरे होने के बाद, नैनो-यूरिया और नैनो - डी ए पी की प्रभावशीलता पर रिपोर्ट भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को सौंपी जाएगी। ये फील्ड ट्रायल भारत के विविध कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों में "फसलों की उत्पादकता और नाइट्रोजन उपयोग दक्षता पर नैनो-यूरिया का मूल्यांकन और फसल उत्पादन में नैनो-यूरिया और डी ए पी का प्रभाव और इसके उपयोग को लोकप्रिय बनाना" नामक परियोजनाओं के तहत किए जा रहे हैं । इनमें भा कृ अनु प- भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल मुख्य केंद्र के रूप में और विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालय तथा अन्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थान सहयोगी केंद्रों के रूप में काम कर रहे हैं।

###**6. अभिलेख उपलब्धता संबंधी घोषणा:**

कृपया उपलब्ध कराई जाने वाली समस्त जानकारी** प्रमाणित (Certified) प्रतियों** के रूप में उपलब्ध कराई जाए।

उत्तरः- प्रमाणित संलग्न हैं।

Mass awareness campaign on Organic Farming organized at ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal on 6th August 2021

A Mass awareness campaign on 'Organic Farming' was organized on a virtual mode jointly by ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal and ICAR Indian Institute of Farming System Research, Modipuram on 6th August 2021. Dr AS Panwar, Director, ICAR-IIFSR, Modipuram and experts from SAUs joined the programme. Dr AK Patra, in his inaugural address, emphasized on the soil health management including crop residue management and organic nutrient management in the organic farming. He remarked the importance of maintaining soil health in organic farming practices. Dr AS Panwar narrated the importance of soil organic carbon in improving soil health under organic farming practices and the importance of certification. Shri Padam Singh Thakur, member of IMC, ICAR IISS Bhopal and progressive farmer urged all the farmers to take note of the deliberations and get benefit by growing organic products. Prof Kalvakuntala Jeevan Rao encouraged farmers and student to take up organic farming in their respective locations. Dr. A.B. Singh, PI Organic Farming &HoD (SB) briefed about the program and Dr N. Ravisankar National PI gave the welcome address and gave an account of mass awareness program on organic farming conducted at national level. Altogether 800 farmers, students, researchers and the stakeholders participated in the program in a virtual mode. Dr AK Prusty, Senior Scientist, ICAR IIFSR coordinated the program and Dr BL Lakaria, Principal Scientist ICAR IISS proposed vote of thanks at the end of the inaugural session of the program.

In the technical session, four lectures were delivered by the eminent speakers. Dr AB Singh presented lecture on Organic Farming: Basic Principles and good practices followed by Dr PB Sharma, who gave an account of pest and disease management under organic farming. Dr BL Lakaria delivered lecture on Organic farming: A key to enhance nutrient use efficiency. Dr Ajay Singh Rajput presented his views on Marketing and certification and demonstrated the certification procedures. The session was followed by an open session in which Dr. N. Ravisankar (National PI, ICAR-IIFSR, Modipuram) and the scientists of ICAR IISS Bhopal comprising Dr. A. B. Singh, Dr. Brij Lal Lakaria, Dr. J. K. Thakur, Dr. B.P. Meena and Dr. R. Elanchezhian interacted with participants of the campaign. They gave their inputs to all the queries raised by the participants including farmers, students, extension professionals, researchers and other stake holders on organic agriculture. Dr J.K. Thakur proposed vote of thanks at the end of technical session.

Source: ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal

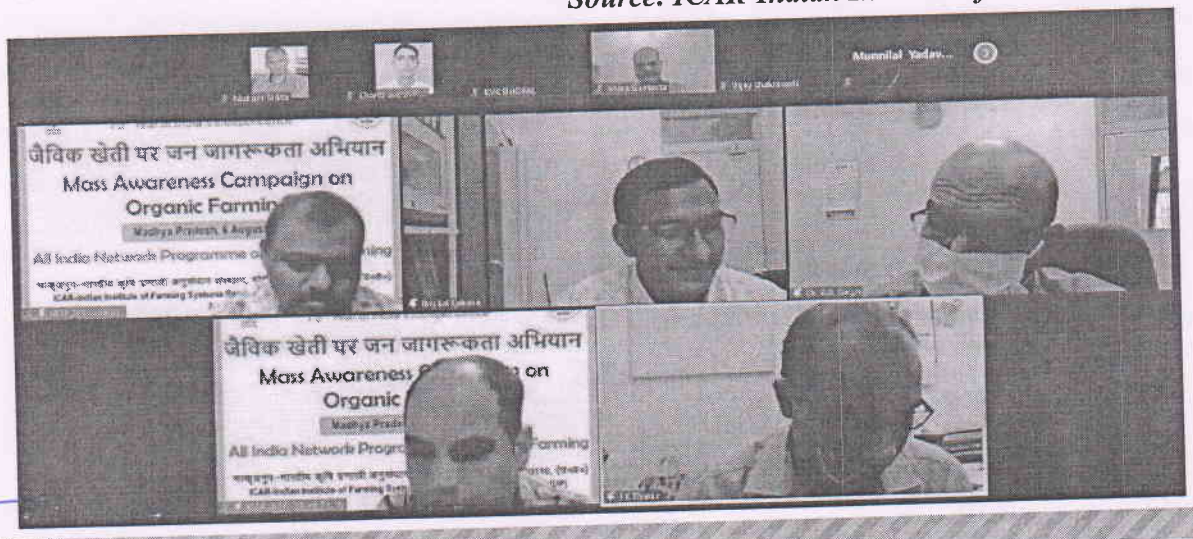

ICAR-Indian Institute of Soil Science
Nabibag, Berasia Road, Bhopal – 462038, M.P.

National Campaign on

Soil Health Management & Composting

23 April 2024

Programme		
9:00 am	Thematic competition for students	Drs. K. Bharati, Asha Sahu, S Bhattacharjya; ICAR- Indian Institute of Soil Science (IISS), Bhopal
10.00 am	Registration of the farmers, students and participants	Drs. S Bhattacharjya, A. Das, Shinogi K C; ICAR- Indian Institute of Soil Science, Bhopal
10:30 am	Lighting lamp and ICAR song	Dignitaries
10:40 am	Welcome of guests and objective of national campaign	Dr. S.R. Mohanty, Head Soil Biology Division, ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal
10:50 am	Director's address on National campaign	Dr. S. P. Datta, Director, ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal
11:00 am	Prize distribution to students	Dr. S. K. Chaudhari, Hon'ble DDG (NRM), ICAR, New Delhi and dignitaries
11:10 am	Remark and Address by chief guest	Dr. S. K. Chaudhari, Hon'ble DDG (NRM), ICAR, New Delhi
11:30 am	Vote of Thanks	Dr. A. Sahu, Sr Scientist, Soil Biology Division, ICAR- Indian Institute of Soil Science, Bhopal
11:35 am	Tea	All the participant
Technical session [Chair - Dr. S. K. Chaudhari, Hon'ble DDG (NRM), ICAR, New Delhi]		
11:45 am	Role of Biofertilizers in Sustaining soil health	Dr. D. L. N. Rao, Former PC-AINP Biofertilizer and Soil Biodiversity
12:00 pm	Overview of Soil Health and its importance in present context	Dr. A. K. Biswas, Principal scientist, I/c CRP-CA, Soil Chemistry and Fertility Division, ICAR- Indian Institute of Soil Science, Bhopal
12:15 pm	Soil health management through natural and organic farming	Dr. A. B. Singh, Former-Head of the Division of Soil Biology, ICAR- Indian Institute of Soil Science, Bhopal
12:30	Remarks by Chair	Dr. S. K. Chaudhari, Hon'ble DDG (NRM), ICAR, New Delhi
12:40 pm	Distribution of Kenchuamrit and Ekcel decomposer to farmers	Dignitaries
12:50 pm	Vote of thanks	Dr. S.R. Mohanty, Head Soil Biology Division, ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal
12.55 pm	Snacks	Drs. A Das, K Bharati, A K Tripathi, ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal
1: 10 pm	Demonstration of composting facility to farmers and students	Drs. J. K. Thakur, Asha Sahu, S Bhattacharjya, K. Bharati, A K Tripathi, ICAR - IISS

Join Zoom Meeting (Time: Apr 23, 2024 10:00 AM India):
https://us02web.zoom.us/j/83660194880?pwd=ZVUrTmxiZGJFSSszd1UxcGIzWUhWUT09
Meeting ID: 836 6019 4880, Passcode: iiss4321

आज़ादी का अमृत महोत्सव
COMMEMORATION OF
75TH YEAR OF INDIA'S INDEPENDENCE

जैविक खेती पर जन जागरूकता अभियान

MASS AWARENESS CAMPAIGN ON ORGANIC FARMING

6TH AUGUST 2021 (11.00 AM TO 1.30 PM)

PATRON

Dr. S. Bhaskar
ADG (AAFCC)
NRM ICAR, New Delhi

Dr. A. S. Panwar
Director
ICAR-IIFSR, Modipuram

Dr. A. K. Patra
Director
ICAR-IISS, Bhopal

Dr. N. Ravishankar
National PI
AI-NPOF, Modipuram

Dr. A. B. Singh
PS & I/C Head (SBD)
ICAR-IISS, Bhopal

PROGRAM SCHEDULE		
11.00 AM	ICAR Song	Dr. A. B. Singh, Pr. Scientist & I/C Head (SBD)
11.05 AM	Briefing about program	Dr. N. Ravisankar, Pr. Scientist and National PI, AINPOF
11.15 AM	Welcome address & brief on Awareness Campaign	Dr. Ashok K Patra, Director, ICAR-IISS
11.25 AM	Brief Remarks	Dr. A. S. Panwar, Director, ICAR-IIFSR
11.35AM	Brief Remarks	Dr. S. Bhaskar, ADG (AAFCC), ICAR
11.45 AM	Inaugural Remark	Dr. Brij Lal Lakaria, Pr. Scientist, ICAR-IISS
11.55 AM	Vote of Thanks	
	TECHNICAL SESSION	
12.00 PM	Organic Farming: Basic Principles and good practices	Dr. A. B. Singh, Pr. Scientist & I/C Head (SBD)
12.15 PM	Pest and disease management under organic farming	Dr. P. B. Sharma, Professor (Agronomy), JNKV, Jabalpur
12.30 PM	Organic farming: A key to enhance nutrient use efficiency	Dr. Brij Lal Lakaria, PS, ICAR-IISS
12.45 PM	Marketing and certification	Dr. Ajay Singh Rajput, Regional Director, RCOF- Jabalpur
01.00 PM	Open interactions	Dr. A. B. Singh, Dr. Brij Lal Lakaria, Dr. J. K. Thakur, Dr. B. P. Meena, Dr. Elanchezhian
01.20 PM	Vote of thanks	Dr. J. K. Thakur, Scientist

Chairman : Dr. Ashok K. Patra, Director, ICAR-IISS, Bhopal
Programme Leader: Dr. A. B. Singh
Coordinators:Dr. B. L. Lakaria, Dr. J. K. Thakur, Dr. B. P. Meena, Dr. N. K. Sinha, Dr. Elanchezhian, Mr. AbinasDas

Farmers, Students, Extension Professionals, Certified Farm Advisors and Researchers

Zoom link : https://us02web.zoom.us/j/82782300517?pwd=M1YxZnNyZmVqYTlKd050NVBZNUlvdz09
Meeting ID : 827 8230 0517 Passcode : NP1234

Organized by

ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal
&
ICAR-Indian Institute of Farming Systems Research, Modipuram

दैनिक
स्वतंत्र समय
मध्यप्रदेश का तेजी से बढ़ता अखबार

तापमान
भोपाल : 26.0 - 23.0
इंदौर : 23.0 - 21.0
जबलपुर : 28.0 - 24.0

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए जन - जागरूकता अभियान

सोमत कुशवाह बैरसिया।

बैरसिया देश की आजादी के 75 वी वर्षगांठ (आजादी का अमृत महोत्सव) के उपलक्ष में भाकृअनुप - भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल में राष्ट्रीय वेबीनार के माध्यम से जैविक खेती पर जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम दिनांक 6 अगस्त 2021 को संस्थान में रखा गया जिसमें विभिन्न विषयों पर किसानों को जानकारी दी गई। भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान के निदेशक ने बताया कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान में जैविक खेती विषय पर काफी महत्वपूर्ण शोध हुए हैं। जिनको अपनाकर किसान भी बड़े पैमाने पर लाभान्वित हो रहे है। भविष्य में जैविक खेती को और बढ़ावा देने की जरूरत है जिससे जैविक उत्पादों के सेवन से स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण पर भी अच्छा असर पड़ेगा। इस अवसर पर डॉ ए.एस. पंवार, निदेशक एवं प्रभारी भारतीय जैविक कार्यक्रम परियोजना, मोदीपुरम ने भी जैविक खेती अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने यह भी

अवगत कराया कि जैविक उत्पादों की मांग प्रतिदिन बढ़ी है और इसकी वजह से लोग सेहत के प्रति सजग भी हो रहे है और आजकल जैविक उत्पादों के दाम भी अच्छे मिल रहे है। इसलिए जैविक खेती के प्रति किसानों का रुझान तेजी से बढ़ता रहा रहा है। मध्यप्रदेश में जैविक किसानों के लिए निर्यात की काफी संभावनाएं है। देश में कीटनाशक मुक्त भोजन का चलन बढ़ता जा रहा है। समूह खेती के लिए समूह प्रमाणन के माध्यम से जैविक खेती को अपनाये जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। अखिल भारतीय जैविक कार्यक्रम परियोजना के राष्ट्रीय परियोजना के प्रमुख अन्वेषणकर्ता अधिकारी डॉ. एन. रवि शंकर ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सम्पूर्ण भारत में जन - जागरूकता अभियान आयोजित किये जा रहे है। और अभी तक लगभग 10000 किसानों को जैविक को जैविक खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा चुकी है। इस वेबीनार में डॉ. ए.बी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने जैविक खेती- सिद्धांत और व्यवहार पर व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं तत्पश्चात डॉ. धी.बी. शर्मा, प्रोफेसर शस्य विज्ञान के द्वारा फसल उत्पादन (कीट एवं रोग प्रबंधन) में कीट बीमारियों के प्रबन्धन के बारे में विस्तार से चर्चा की गई और डॉ. बृज लाल लकारिया, प्रधान वैज्ञानिक ने जैविक खेती के अंतर्गत पौषक तत्व प्रबंधन पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ अजय सिंह राजपूत, क्षेत्रीय निदेशक, (आर.सी.ओ.एफ) जबलपुर, ने जैविक खेती के विपणन और प्रमाणन के बारे में किसानों को समझाया। साथ ही कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक एवं किसानों एवं अन्य प्रतिभागियों के बीच में विभिन्न विषयों पर पारस्परिक विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में 500 से ज्यादा किसानों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, प्रसार कार्यकर्ताओं एवं अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इस वेबीनार के अंत में डॉ. जे.के. ठाकुर के द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रेषित किया।